कितनी व्यारी हैं - भी ले की चीखर कितनी व्यारी हैं - मैं या की चीखर कितनी व्यारी हैं - देवा की चीखर जो भी आये को स्पर की झुकारे भूल जाये वो सारे गमों का -मुस्करा के - यहाँ से वो जाये - - -चितनी - -

आज रो-के- तो चीखट पे कह हो कह हो ssss कह हो sssss

आज रो-के-तो चौखर पे कह हो दर पे आया है- कोई खवाली बड़ा नाजुक है दिल-भोले का बड़ा नाजुक है दिल- भैया का हंस के खबको- गले से लगाने

किलनी-

इनके कॉ से में दीलत हैं इतनी इतनी 5555 इतनी 5555 इनके कॉ से में दीलत हैं इतनी जिसकी चाहें- उसी को ये दे दें बात दीलत की अपनी जगह हैं तुमने इनपे न ऑस्-बहाये. किसनी---

दिल लगाया तुम्हारे ही दर से दर से sssss दर से sssss दिल लगाया तुम्हारे ही. दुनियाँ वालों से हमको क्या लेना बड़ी किस्मत से "भी बाबा थी" ये दिन बहारों के हमको दिखाये